चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 09 सितंबर 2026, अंक –353.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

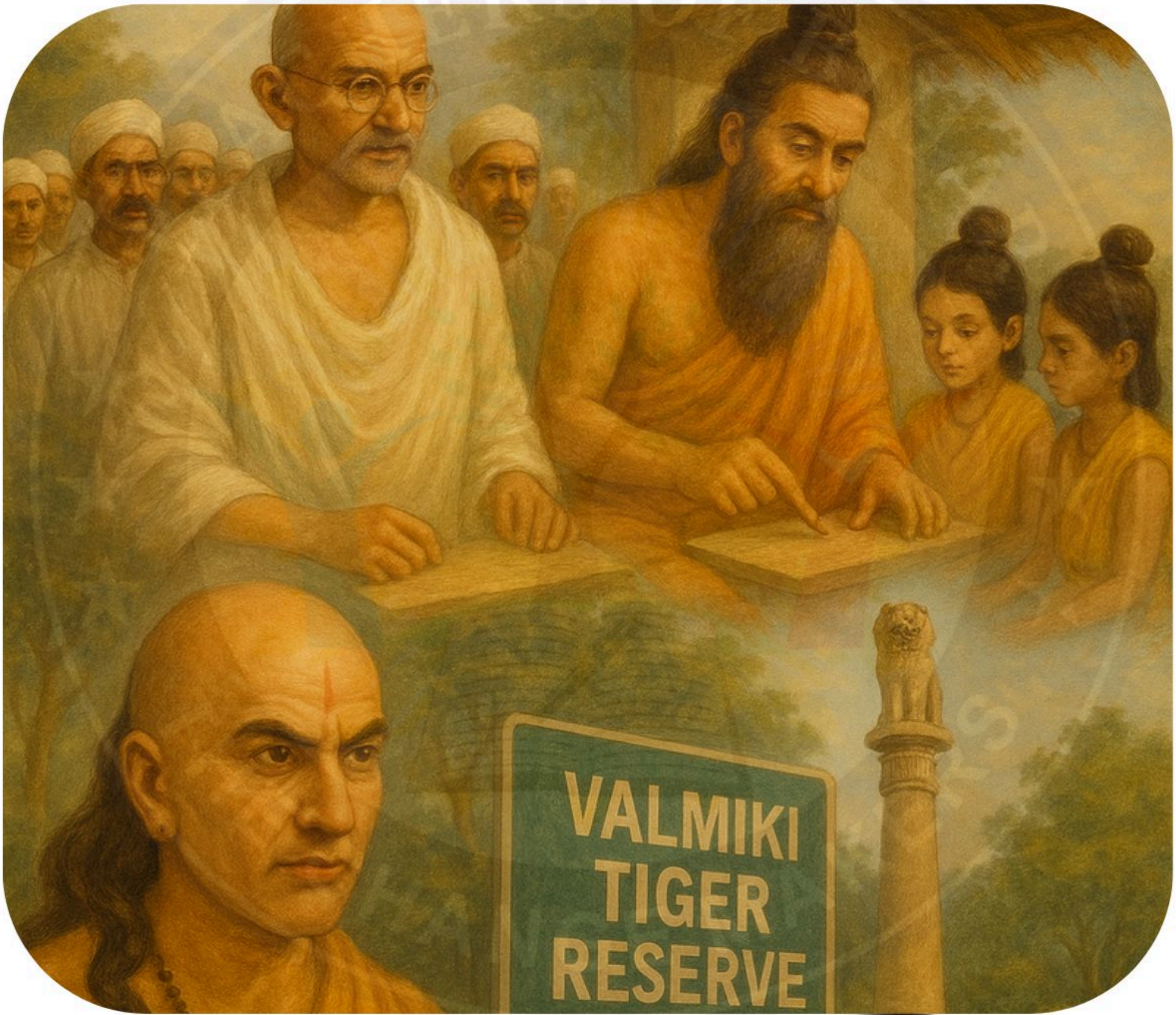

"सत्य को कहने के लिए किसी तैयारी की आवश्यकता नहीं होती।" — मार्क ट्वेन

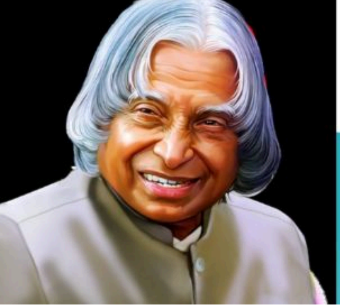

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.......................................।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.......................................।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.......................................।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.......................................।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

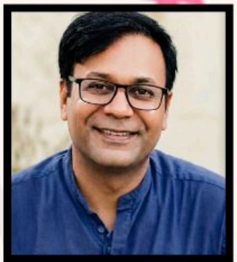

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. हंगरी की राजधानी क्या है?
उत्तर: बुडापेस्ट
प्रश्न 2. भौतिकी का नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय कौन थे?
उत्तर: सी. वी. रमन
प्रश्न 3. 'डालखाई' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 4. 144 का वर्गमूल कितना है?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. बिहार का 'अशोक धाम' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: लखीसराय
प्रश्न 6. नीलगाय किस प्रकार का जीव है?
उत्तर: शाकाहारी
प्रश्न 7. बॉलपॉइंट पेन के आधुनिक रूप के आविष्कार से किसका नाम जुड़ा है?
उत्तर: लास्ज़लो बीरो
प्रश्न 8. लोकसभा का सदस्य बनने की न्यूनतम आयु कितनी है?
उत्तर: 25 वर्ष
प्रश्न 9. 'जो दूसरों के दोष खोजता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: छिद्रान्वेषी
प्रश्न 10. कागज को जलाने पर बनने वाली राख को फिर से कागज में बदलना कठिन क्यों होता है?
उत्तर: रासायनिक परिवर्तन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Library - लाइब्रेरी - पुस्तकालय
2️⃣ Notebook - नोटबुक - अभ्यास-पुस्तिका / कॉपी
3️⃣ Pencil - पेन्सिल - पेंसिल
4️⃣ Eraser - इरेज़र - रबर
5️⃣ Sharpener - शार्पनर - पेंसिल छीलने का यंत्र
6️⃣ Blackboard - ब्लैकबोर्ड - श्यामपट्ट
7️⃣ Chalk - चॉक - खड़िया / श्यामपट्ट की खड़िया

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “We are going to + V1”
(हम ... करने वाले/वाली हैं।)

हम आज एक पेड़ लगाने वाले हैं। – We are going to plant a tree today.
हम शाम को मैदान में खेलने वाले हैं। – We are going to play in the field in the evening.
हम अपने शिक्षक से मिलने वाले हैं। – We are going to meet our teacher.
हम मिलकर एक कविता लिखने वाले हैं। – We are going to write a poem together.
हम आज कुछ नया सीखने वाले हैं। – We are going to learn something new today.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 9 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा सशस्त्र संघर्षों के दौरान विद्यालयों, छात्रों और शिक्षकों पर होने वाले हमलों को रोकने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: शिक्षा को हमले से बचाने हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2020 में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव के माध्यम से 9 सितंबर को 'शिक्षा को हमले से बचाने हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस' (International Day to Protect Education from Attack) घोषित किया गया था। यह दिवस युद्ध और संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सुरक्षित शिक्षण वातावरण बनाए रखने तथा 'सुरक्षित स्कूल घोषणापत्र' (Safe Schools Declaration) के सिद्धांतों को लागू करने हेतु वैश्विक समुदाय को जागरूक और प्रतिबद्ध करता है।
संदर्भ: UN General Assembly Resolution 74/275; UNESCO Education in Emergencies Portal;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के किस प्रमुख अंतर-मंत्रालयीय कार्यक्रम के अंतर्गत देश के सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में 'स्वच्छता पखवाड़ा' के साथ जल गुणवत्ता निगरानी अभियान संचालित किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: समग्र शिक्षा अभियान (जल जीवन मिशन समन्वय)
व्याख्या: सितंबर 2026 में शिक्षा मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में देश भर के सरकारी विद्यालयों में 'स्वच्छता पखवाड़ा' और 'स्वच्छ विद्यालय अभियान' का विशेष चरण संचालित किया गया। इसके तहत विद्यालयों में सुरक्षित पेयजल की जांच हेतु फील्ड टेस्ट किट (FTK) का वितरण, नियमित हैंडवाशिंग स्टेशनों का सत्यापन तथा मिड-डे मील रसोइयों में स्वच्छता प्रोटोकॉल का निरीक्षण सुनिश्चित किया गया ताकि जल-जनित रोगों और मौसमी महामारियों से स्कूली बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।
संदर्भ: Ministry of Education (Department of School Education and Literacy) Press Release September 2026;

प्र.3. भारतीय स्वाधीनता संग्राम और दलित-शोषित वर्ग के सामाजिक जागरण को समर्पित विख्यात उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' (1946) के रचनाकार कौन हैं? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
व्याख्या: 'बाणभट्ट की आत्मकथा' (1946) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित एक युगांतरकारी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक उपन्यास है। यह 7वीं शताब्दी के सम्राट हर्षवर्धन के दरबारी कवि बाणभट्ट के जीवन की कल्पित पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें मुख्य पात्र बाणभट्ट, भट्टिनी और निपुणिका के माध्यम से नारी गरिमा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, लोक-चेतना और सामंती बंधनों से मुक्ति का विशद दार्शनिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। द्विवेदी जी ने इसमें प्राचीन भारतीय इतिहास और आधुनिक मानवीय संवेदनाओं का अनुपम समन्वय किया है।
संदर्भ: आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी — 'बाणभट्ट की आत्मकथा', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए समय पर जीवित जीवों की संख्या को उत्पादक से लेकर शीर्ष उपभोक्ता तक दर्शाने वाले आरेखीय निरूपण में एक विशाल वृक्ष पारितंत्र का संख्या पिरामिड कैसा बनता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: उल्टा (Inverted Pyramid of Numbers)
व्याख्या: किसी पारिस्थितिक तंत्र में विभिन्न पोषण स्तरों पर जीवों की कुल संख्या का संबंध 'संख्या का पिरामिड' (Pyramid of Numbers) कहलाता है। घास के मैदान में उत्पादक घास की संख्या अत्यधिक होने के कारण पिरामिड सीधा बनता है, किंतु एक एकल विशाल वृक्ष के पारिस्थितिक तंत्र में आधार स्तर पर उत्पादक केवल 'एक' होता है। इस एक वृक्ष पर फल और पत्तियां खाने वाले सैकड़ों शाकाहारी पक्षी निर्भर होते हैं, और उन पक्षियों के शरीर पर हजारों बाह्य-परजीवी (कीट, जूं आदि) आश्रित होते हैं। इस प्रकार उत्पादक से उपभोक्ता की ओर संख्या बढ़ने के कारण वृक्ष का संख्या पिरामिड उल्टा (Inverted) बनता है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 263–265;

प्र.5. 1928 में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में संवैधानिक सुधारों की समीक्षा हेतु नियुक्त उस आयोग का नाम क्या था, जिसमें एक भी भारतीय सदस्य न होने के कारण 'वापस जाओ' के नारों से राष्ट्रव्यापी विरोध हुआ था? (इतिहास)
उत्तर: साइमन कमीशन (Simon Commission)
व्याख्या: ब्रिटिश सरकार ने 1919 के भारत शासन अधिनियम (मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार) के प्रभावों की समीक्षा करने हेतु 1927 में सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय 'भारतीय वैधानिक आयोग' (साइमन कमीशन) की नियुक्ति की। इस आयोग में एक भी भारतीय सदस्य शामिल नहीं किया गया था, जिसे भारतीयों ने राष्ट्रीय आत्मसम्मान का अपमान माना। फरवरी 1928 में जब आयोग भारत पहुंचा, तो कांग्रेस और मुस्लिम लीग सहित सभी दलों ने काले झंडे दिखाकर और "साइमन गो बैक" के नारों से इसका बहिष्कार किया। लाहौर में इसी विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में लाला लाजपत राय गंभीर रूप से घायल हो गए थे।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 9 "राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन: 1870 के दशक से

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी कौन-सी है, जो महाराष्ट्र के महाबलेश्वर के निकट पश्चिमी घाट से निकलकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है और जिस पर 'नागार्जुन सागर बांध' बना है? (भूगोल)
उत्तर: कृष्णा नदी (Krishna River)
व्याख्या: कृष्णा नदी प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे बड़ी पूर्व-वाहिनी नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1,400 किलोमीटर है। इसका उद्गम महाराष्ट्र के सतारा जिले में महाबलेश्वर के निकट पश्चिमी घाट की पहाड़ियों से होता है। यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से होकर बहती हुई बंगाल की खाड़ी में एक विशाल डेल्टा बनाती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में तुंगभद्रा, कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा और मूसी शामिल हैं। इस नदी घाटी पर नागार्जुन सागर, श्रीशैलम और अल्माटी जैसे बहुउद्देशीय जलविद्युत व सिंचाई बांध निर्मित हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस मौलिक अधिकार अनुच्छेद के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद के धर्म को अबाध रूप से मानने, उसका आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता दी गई है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 25 (धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-III में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के तहत 'अनुच्छेद 25(1)' घोषित करता है कि सार्वजनिक व्यवस्था, सदाचार और स्वास्थ्य के अधीन रहते हुए सभी व्यक्तियों को अंतःकरण की स्वतंत्रता का और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का समान अधिकार होगा। यह अधिकार भारतीय नागरिकों के साथ-साथ विदेशियों को भी प्राप्त है। इसके तहत सिखों द्वारा कृपाण धारण करना और लेकर चलना उनके धर्म के अंग के रूप में समाविष्ट माना गया है। हालांकि यह अधिकार धर्मांतरण कराने के किसी मौलिक अधिकार की अनुमति नहीं देता है।
संदर्भ: Constitution of India, Part III, Article 25; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights, p. 39–41;

प्र.8. किसी चालक तार में विद्युत धारा प्रवाहित करने पर उसके दोनों सिरों के मध्य उत्पन्न विभवांतर और प्रवाहित धारा के सीधे समानुपाती होने के वैज्ञानिक नियम को क्या कहते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: ओम का नियम (Ohm's Law)
व्याख्या: जर्मन भौतिक विज्ञानी जॉर्ज साइमन ओम द्वारा 1827 में प्रतिपादित 'ओम के नियम' के अनुसार, यदि किसी चालक तार की भौतिक अवस्थाएं (जैसे तापमान, लंबाई और पदार्थ की प्रकृति) अपरिवर्तित रहें, तो चालक के सिरों के बीच का विभवांतर (V) उसमें प्रवाहित होने वाली विद्युत धारा (I) के सीधे समानुपाती होता है। गणितीय रूप में: $V \propto I$ अथवा $V = IR$, जहाँ 'R' एक नियतांक है जिसे चालक का 'विद्युत प्रतिरोध' (Resistance) कहते हैं। प्रतिरोध का SI मात्रक 'ओम' (Ω) होता है। यह नियम अधिकांश धातु चालकों के लिए लागू होता है जिन्हें ओमिक चालक कहा जाता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (Electricity), p. 228–232;

प्र.9. भरत मुनि के नाट्यशास्त्र पर आधारित शास्त्रीय नृत्य शैलियों में पूर्वी भारत का वह कौन-सा रूप है जो भगवान जगन्नाथ की उपासना, 'त्रिभंग' शारीरिक मुद्रा और महरी परंपरा से जुड़ा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: ओडिसी नृत्य (Odissi)
व्याख्या: ओडिसी पूर्वी भारत के ओडिशा राज्य का एक अत्यंत लालित्यपूर्ण और प्राचीन शास्त्रीय नृत्य है, जिसकी ऐतिहासिक उपस्थिति ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी की उदयगिरि और खंडगिरि की गुफाओं (रानीगुम्फा शिलालेख) में मिलती है। यह नृत्य मूलतः पुरी के जगन्नाथ मंदिर में समर्पित देवदासियों ('महरी') और लड़कों द्वारा स्त्री वेश में किए जाने वाले 'गोटीपुआ' नृत्य से विकसित हुआ है। इसकी सबसे प्रमुख पहचान 'त्रिभंग' मुद्रा (गर्दन, धड़ और घुटनों के विपरीत झुकाव से बनने वाला त्रि-आयामी वक्र) और 'चौक' (दृढ़ चौकोर मुद्रा) है। केलुचरण महापात्र ने इस नृत्य शैली को आधुनिक काल में अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाई।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (An Introduction to Indian Art Part-1), Ch 8;

प्र.10. प्राचीन मगध साम्राज्य के किस प्रतापी हर्यक वंशीय सम्राट ने 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में अपनी राजधानी राजगृह से हटाकर गंगा और सोन नदियों के संगम पर 'पाटलिपुत्र' की नींव रखी थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: उदयन (Udayin - हर्यक वंश)
व्याख्या: प्राचीन मगध साम्राज्य के हर्यक वंश के शासक अजातशत्रु के पुत्र 'उदयन' (उदयभद्र) ने 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व (लगभग 460 ईसा पूर्व) में रणनीतिक और व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण गंगा, गंडक और सोन नदियों के संगम पर स्थित 'पाटलिपुत्र' (वर्तमान पटना) नगर की स्थापना की और मगध की राजधानी को राजगृह (गिरिव्रज) से स्थानांतरित कर पाटलिपुत्र ले आया। जल-दुर्ग के रूप में सुरक्षित यह नगर आगे चलकर मौर्य, शुंग और गुप्त साम्राज्यों की अखिल भारतीय राजधानी बना और सदियों तक भारत के राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक वैभव का मुख्य केंद्र रहा।
संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 5 "राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य", p. 48–52; BPSC General Studies Paper-1 Bihar History Module;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W1 – डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार डायरिया की रोकथाम हेतु 'F-डायग्राम' (मल-मुख संचरण चक्र) क्या है और इसे तोड़ने के दो सबसे प्रभावी उपाय कौन-से हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: मल से मुख तक रोगाणु चक्र; साबुन से हाथ धोना एवं सुरक्षित पेयजल

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W1: डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार, संक्रामक डायरिया के रोगाणु (बैक्टीरिया, वायरस) 'F-डायग्राम' के माध्यम से शरीर में पहुंचते हैं: मल (Faeces) से मक्खियों (Flies), खेतों (Fields), तरल/पेयजल (Fluids), उंगलियों (Fingers) और भोजन (Food) के जरिए रोगाणु मनुष्य के मुख (Mouth) तक पहुंचते हैं। इस घातक चक्र को तोड़ने के दो प्राथमिक उपाय हैं: (1) शौचालय के उपयोग के बाद, भोजन पकाने व खाने से पहले अनिवार्य रूप से कम से कम 20 सेकंड तक साबुन-पानी से 'सुमन-के' (SUMAN-K) चरणों से हाथ धोना; (2) केवल क्लोरीनेटेड, उबला हुआ या सुरक्षित नल-जल पीना तथा कटे व खुले फल-सब्जियों के सेवन से पूरी तरह बचना।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W1 – "डायरिया एवं ORS बनाने का कौशल एवं प्रशिक्षण"

प्र.12. एक व्यक्ति एक वस्तु को 20% की हानि पर 480 रुपये में बेचता है। यदि वह उसी वस्तु पर 20% का लाभ कमाना चाहता है, तो उसे उस वस्तु को कितने रुपये में बेचना होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 720 रुपये

व्याख्या: यह लाभ-हानि पर आधारित मानक अंकगणितीय प्रश्न है।

माना वस्तु का क्रय मूल्य = CP है।

चूँकि वस्तु 20% हानि पर बेची गई, अत: विक्रय मूल्य = क्रय मूल्य का (100 - 20)% = 80%।

प्रश्नानुसार: CP का 80% = 480 रुपये।

CP * (80 / 100) = 480

CP = (480 * 100) / 80 = 6 * 100 = 600 रुपये (वस्तु का वास्तविक क्रय मूल्य)।

अब, 20% लाभ प्राप्त करने हेतु नया विक्रय मूल्य = CP का (100 + 20)% = CP का 120%।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

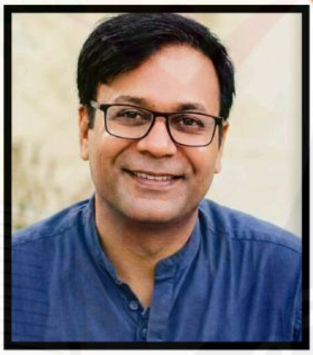

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Abstruse (ऐब्स्ट्रूस) = Obscure (ऑब्स्क्योर) = गूढ़ / कठिन / समझने में जटिल
   Antonym – Lucid (लूसिड) = स्पष्ट / सुबोध
2. Candid (कैंडिड) = Frank (फ्रैंक) = स्पष्टवादी / निष्कपट / बेबाक
   Antonym – Deceitful (डिसीटफुल) = कपटी / छलपूर्ण
3. Fastidious (फैस्टिडियस) = Meticulous (मेटिक्युलस) = अत्यधिक सावधान / बारीकी पर ध्यान देने वाला
   Antonym – Careless (केयरलेस) = लापरवाह
4. Incorrigible (इन्कॉरिजिबल) = Irredeemable (इरीडीमेबल) = असुधार्य / जिसे सुधारा न जा सके
   Antonym – Reformable (रिफॉर्मेबल) = सुधारे जाने योग्य
5. Vociferous (वोसिफेरस) = Boisterous (बॉइस्टरस) = बहुत ऊँची आवाज़ में बोलने वाला / शोरगुलपूर्ण
   Antonym – Quiet (क्वाइट) = शांत / धीमा

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

DAC approves ₹1.10 lakh crore defence procurement; 98% for Indian industry — Army, Navy, Air Force to get modern weapons

हिन्दी अनुवाद: रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने थलसेना, नौसेना और वायुसेना के लिए आधुनिक हथियारों व उपकरणों की खरीद को करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की सैद्धांतिक मंजूरी दी; इसमें लगभग 98% खरीद भारतीय उद्योग से होगी।�

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई DAC की बैठक में CBRN सुरक्षा, रिकॉनिसेंस वाहन, हाई-मोबिलिटी वाहन और अन्य उन्नत प्रणालियों की खरीद को मंजूरी मिली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) जैसे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इसमें प्रमुख लाभार्थी होंगे। यह कदम 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा उत्पादन में निजी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। UPSC/BPSC के लिए: DAC — रक्षा खरीद की सर्वोच्च निर्णायक समिति; 'Acceptance of Necessity (AoN)' — खरीद प्रस्तावों की प्रारंभिक स्वीकृति।

ISRO rejects privatisation rumours; Chairman V. Narayanan says ISRO will remain a government organisation

हिन्दी अनुवाद: इसरो ने निजीकरण की अफवाहों को खारिज किया; अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि इसरो एक सरकारी संगठन बना रहेगा और उसकी भूमिका कभी कम नहीं होगी।

बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में इसरो अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि निजी क्षेत्र को तकनीक हस्तांतरण का उद्देश्य वैज्ञानिकों को उन्नत अनुसंधान के लिए मुक्त करना है, न कि इसरो का निजीकरण। उन्होंने कहा कि इसरो राष्ट्रीय एवं रणनीतिक मिशनों का नेतृत्व करता रहेगा। हाल में इसरो ने EOS-05 उपग्रह के लिए अंतिम कक्षा-उन्नयन सफलतापूर्वक पूरा किया है। UPSC/BPSC के लिए: इसरो — भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन; EOS-05 — पृथ्वी अवलोकन उपग्रह।

Congress-ruled states to formulate new education policy; Karnataka CM DK Shivakumar says it will align with youth aspirations

हिन्दी अनुवाद: कांग्रेस शासित राज्यों में युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप नई शिक्षा नीति बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं; कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने यह घोषणा की।

बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में सीएम शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उच्च नेतृत्व के निर्देशानुसार राज्यों में नई शिक्षा नीति तैयार की जाएगी। इसका उद्देश्य वर्तमान युवा पीढ़ी की आवश्यकताओं, रोजगार कौशल और तकनीकी बदलावों के अनुरूप पाठ्यक्रम ढांचा बनाना है। यह घोषणा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। UPSC/BPSC के लिए: NEP 2020 — 34 वर्ष बाद भारत की नई शिक्षा नीति; 5+3+3+4 ढांचा।

INTERNATIONAL NEWS

81st UN General Assembly opens in New York; Bangladesh's Khalilur Rahman to preside over the session

हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र न्यूयॉर्क में शुरू; बांग्लादेश के खलीलुर रहमान इस सत्र के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

यूएन वेब टीवी के अनुसार 8 सितंबर 2026 को सत्र का कार्यक्रमांक जारी किया गया। बांग्लादेश के प्रतिनिधि खलीलुर रहमान को 81वीं यूएनजीए के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। इस सत्र में जलवायु परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य, शांति-सुरक्षा और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर चर्चा होगी। UPSC/BPSC के लिए: UNGA — संयुक्त राष्ट्र का मुख्य विचार-विमर्श निकाय; प्रत्येक सदस्य देश का एक वोट।

Western powers push to refer Iran's nuclear file to UN Security Council; IAEA warns of lack of access to nuclear sites

हिन्दी अनुवाद: फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अमेरिका ईरान के परमाणु मुद्दे को फिर से यूएन सुरक्षा परिषद में भेजने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) ने सुविधाओं तक पहुंच न मिलने की चेतावनी दी है।

अल-जजीरा के अनुसार आईएईए ने ईरान पर सहयोग न करने का आरोप लगाया है। पश्चिमी देशों का कहना है कि यदि ईरान सहयोग नहीं करता तो उसे सुरक्षा परिषद में ले जाया जाएगा। यह मुद्दा होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा है। UPSC/BPSC के लिए: IAEA — संयुक्त राष्ट्र के तहत परमाणु निगरानी एजेंसी; JCPOA — 2015 का ईरान परमाणु समझौता।

UNESCO ministers adopt declaration to keep education a 'common good' in the AI era during Digital Learning Week

हिन्दी अनुवाद: यूनेस्को के तहत 25 से अधिक देशों के मंत्रियों ने डिजिटल लर्निंग वीक के दौरान एक घोषणा अपनाई जिसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में शिक्षा को सार्वजनिक हित (common good) बनाए रखना है।

इस घोषणा में एआई-संचालित शिक्षण उपकरणों के नैतिक उपयोग, डेटा गोपनीयता और शिक्षकों की भूमिका पर जोर दिया गया है। मंत्रियों ने कहा कि तकनीक शिक्षा को सुलभ बनाए, लेकिन मानवीय मूल्यों को कमजोर न करे। UPSC/BPSC के लिए: UNESCO — संयुक्त राष्ट्र की शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक एजेंसी; SDG 4 — गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।

BIHAR NEWS

Tejashwi Yadav writes to PM Modi seeking ₹5,000 crore aid and 'national disaster' tag for Bihar floods
हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य को तत्काल 5,000 करोड़ रुपये की सहायता और बाढ़ को 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित करने की मांग की है।
तेजस्वी यादव ने कहा कि बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं और आपदा प्रबंधन अपर्याप्त रहा है। उन्होंने केंद्र से त्वरित राहत और पुनर्वास पैकेज की मांग की है। पटना में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है; कई जिलों में राहत शिविर चलाए गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: NDRF – राष्ट्रीय आपदा मोचन बल; SDRF – राज्य आपदा मोचन बल।

BPSC TRE 4.0 teacher recruitment: Syllabus released; registration date expected soon after postponement
हिन्दी अनुवाद: बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने TRE 4.0 शिक्षक भर्ती का पाठ्यक्रम जारी कर दिया है; आवेदन प्रक्रिया की तिथि स्थगन के बाद शीघ्र घोषित होने की संभावना है।
BPSC की वेबसाइट पर TRE 4.0 का विस्तृत पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न उपलब्ध है। इस भर्ती में हजारों पदों पर नियुक्ति होगी। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट bpsc.bih.nic.in पर अपडेट चेक कर सकते हैं। UPSC/BPSC के लिए: TRE – टीचर रिक्रूटमेंट एग्जाम; BPSC – बिहार लोक सेवा आयोग।

SPORTS NEWS

FIBA Women's Basketball World Cup: China beats Italy 71–51, finishes second in Group D; Han Xu scores 19 points, 10 rebounds
हिन्दी अनुवाद: फीबा महिला बास्केटबॉल विश्व कप में चीन ने इटली को 71–51 से हराकर ग्रुप डी में दूसरा स्थान हासिल किया; हान झू ने 19 अंक और 10 रिबाउंड्स दिए।�
जर्मनी में खेले गए इस मुकाबले में चीन ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। इस जीत के साथ चीन ने प्ले-ऑफ राउंड में प्रवेश किया जहाँ उसका सामना पर्टो रिको से होगा। अमेरिका, फ्रांस, स्पेन और बेल्जियम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुँच गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: FIBA – अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल महासंघ; विश्व कप – चार साल में एक बार।

CAB Annual Awards: Purnima Choudhary and Utpal Chatterjee receive Lifetime Achievement Awards in Kolkata
हिन्दी अनुवाद: कोलकाता में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (CAB) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में पूर्व महिला क्रिकेटर पूर्णिमा चौधरी और वरिष्ठ क्रिकेटर उत्पल चटर्जी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।
पूर्णिमा चौधरी ने 1970-80 के दशक में भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व किया था। उत्पल चटर्जी बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं। CAB ने युवा प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन राशि दी। UPSC/BPSC के लिए: CAB – क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल; रणजी ट्रॉफी – भारत की प्रमुख घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

पहाड़ ने जो सिखाया
(हिमालय दिवस विशेष)

हिमालय की तलहटी में बसे एक छोटे-से गाँव में विद्यालय था। एक दिन विद्यालय के शिक्षक बच्चों को लेकर पहाड़ी रास्ते पर निकले। रास्ते में उन्हें एक बूढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे पौधों के आसपास से पत्थर और कचरा हटा रहा था।

एक बच्चे ने उत्सुकता से पूछा, "बाबा, आप अकेले इतना काम क्यों करते हैं?"

बूढ़े व्यक्ति ने मुस्कुराकर कहा, "मैं पहाड़ को नहीं बचा रहा, बेटा... मैं उस पानी को बचा रहा हूँ जो पहाड़ हमें देता है।"

बच्चों ने आसपास देखा। एक छोटी जलधारा पत्थरों और प्लास्टिक से लगभग बंद हो चुकी थी। बूढ़े व्यक्ति रोज थोड़ा-थोड़ा कचरा हटाते और रास्ता साफ करते थे, ताकि बारिश का पानी जलधारा तक पहुँच सके।

शिक्षक ने बच्चों को समझाया कि यही छोटी धाराएँ आगे चलकर नदियों का रूप लेती हैं। जंगल, मिट्टी और पानी का संतुलन बिगड़ेगा तो उसका असर केवल पहाड़ों पर नहीं, मैदानों में रहने वाले लोगों पर भी पड़ेगा।

अगले दिन बच्चों ने विद्यालय में एक निर्णय लिया। उन्होंने कोई बड़ा अभियान शुरू नहीं किया। बस हर बच्चा अपने घर और रास्ते के आसपास कचरा न फैलाने, पानी को गंदा न करने और कम-से-कम एक पौधे की देखभाल करने लगा।

कुछ महीनों बाद वही जलधारा साफ बह रही थी। बच्चों ने देखा कि उनके छोटे-छोटे प्रयास सचमुच बदलाव ला सकते हैं।

उस दिन शिक्षक ने कहा, "हिमालय हमसे कुछ माँगता नहीं, फिर भी हमारी नदियों, जंगलों और जीवन को बहुत कुछ देता है। अब उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।"

प्रेरक सीख : प्रकृति को बचाने के लिए हमेशा बड़ा काम जरूरी नहीं; छोटी जिम्मेदारियों को रोज निभाना ही सबसे बड़ा संरक्षण है।

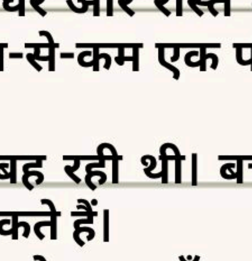

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का "शिक्षक संवर्धन" खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

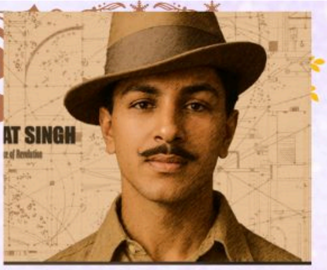

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अमर शहीद सरदार भगत सिंह

प्यारे बच्चों, आज हम एक ऐसे वीर नौजवान की शौर्यगाथा सुनेंगे, जिनके नाम मात्र से ही दिलों में देशभक्ति का उफान आ जाता है और जिनकी मूँछों की ताव और मुस्कुराता चेहरा हर हिंदुस्तानी को गर्व से भर देता है। वे हैं अमर शहीद सरदार भगत सिंह। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायलपुर जिले के बंगा गाँव (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती कौर था। उनके चाचा अजीत सिंह भी एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी थे। जिस दिन नन्हे भगत सिंह का जन्म हुआ, उसी दिन उनके पिता और चाचा जेल से रिहा होकर घर लौटे थे, इसलिए उनकी दादी ने प्यार से उनका नाम 'भागों वाला' यानी 'भगत' रखा, जिसका अर्थ होता है भाग्यशाली बालक।

नन्हे भगत सिंह के दिल में बचपन से ही देशप्रेम की अनूठी लगन थी। एक दिन जब उनके पिता खेत में आम के पौधे लगा रहे थे, तो चार साल के नन्हे भगत मिट्टी में छोटे-छोटे तिनके गाड़ने लगे। पिता ने मुस्कुराते हुए पूछा, "बेटा, यह क्या बो रहे हो?" नन्हे भगत ने बड़ी मासूमियत और दृढ़ता से जवाब दिया, "बापू, मैं बंदूकें बो रहा हूँ, ताकि बहुत सारी बंदूकें उगें और हम अपने देश से अंग्रेज़ों को भगा सकें।" जब वे केवल बारह वर्ष के थे, तब अमृतसर के जलियांवाला बाग में अंग्रेज़ों ने निहत्थे लोगों पर गोलियाँ चलवाई थीं। यह खबर सुनते ही नन्हा भगत स्कूल से सीधे जलियांवाला बाग पहुँच गया। वहाँ उन्होंने शहीदों के खून से लाल हुई मिट्टी को एक शीशी में भरकर अपने पास रख लिया और कसम खाई कि वे भारत माता को आज़ाद कराकर ही दम लेंगे।

बड़े होकर भगत सिंह पढ़ाई-लिखाई में बहुत तेज़ निकले। उन्हें किताबें पढ़ने का गहरा शौक था। वे हमेशा अपनी जेब में ज्ञानवर्धक पुस्तकें रखते थे। उन्होंने युवाओं को एकजुट करने के लिए 'नौजवान भारत सभा' बनाई। जब अंग्रेज़ हुकूमत ने देशवासियों की आवाज़ दबाने के लिए काले कानून बनाए, तब भगत सिंह और उनके साथी बटुकेश्वर दत्त ने 8 अप्रैल 1929 को दिल्ली की केंद्रीय असेंबली में खाली जगह पर दो बम फेंके। उस बम धमाके का मकसद किसी को मारना या चोट पहुँचाना बिल्कुल नहीं था, बल्कि बहरी अंग्रेज़ सरकार के कान खोलना था। बम फेंकने के बाद वे भागे नहीं, बल्कि वहीं खड़े होकर पर्चे उड़ाए और पूरे जोश के साथ 'इंक़लाब ज़िंदाबाद' (क्रांति अमर रहे) का अमर नारा लगाया।

अंग्रेज़ों ने उन्हें गिरफ़्तार कर लिया। जेल में उन्होंने कैदियों के अधिकारों के लिए 63 दिनों तक लंबी भूख हड़ताल की। 23 मार्च 1931 को महज़ 23 साल की कच्ची उम्र में वे अपने साथी राजगुरु और सुखदेव के साथ हँसते-हँसते फाँसी के फंदे पर झूल गए। भगत सिंह का पावन जीवन हमें सिखाता है कि निडरता, किताबें पढ़ने की आदत और अपने देश के लिए सच्चा प्रेम ही मनुष्य को अमर बनाता है।

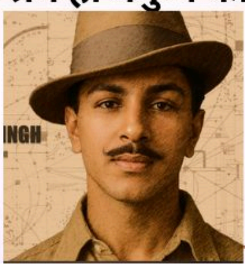

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org